India-Papua New Guinea: Joint Issue

The Diplomatic relations between India and Papua New Guinea (PNG) were established when Indian resident Mission was opened in Port Moresby in 1996. PNG opened its resident Mission in New Delhi in 2006. India and PNG are commonwealth countries and enjoy warm and cordial relations.

India and Papua New Guinea actively interact through different platforms that allow both countries to exchange views on many issues of common concerns. The cooperation covers multiple areas in economic, Industrial & commercial, science & Technology, Education and Cultural.

With the significance of the bilateral relation between India and Papua New Guinea, the both Postal Administrations, in agreement, cooperated and jointly released this stamp issue featuring their respective national birds (The Peacock representing India and the Raggiana Bird of Paradise representing Papua New Guinea).

Peacock: The Peacock, Pavo cristatus (Linnaeus), is the National Bird of India. It is a symbol of grace, joy, beauty and love. Peacock is a large and majestic bird. Peacock is a colorful, swan-sized bird with a fan-shaped crest of feathers on its head, a white patch under the eye and a long-slender neck.

The male of the species is more colorful than the female with a glistening blue breast and neck and a spectacular bronze-green tail of around 200 elongated feathers. The female is called Peahen and it is brownish, slightly smaller than the male and lacks the tail. The peahen lays 3-5 eggs at a time in a hole of the trunk of a tree or in a bush. They sometimes dig small holes in the soil with their legs to lay eggs. Peacock occupies a respectable position in Indian culture and is protected under the Indian Wildlife (Protection) Act, 1972.

Peacock is a hard bird. It has unique adaptability to extreme climatic conditions. Thus, it can live in the hot, dry desert region of Rajasthan as well as it can adjust nicely with colder climates of Europe and America. Generally, peacock likes to live in the bushes or jungles near a permanent water source. They cannot fly much but can run fast on their strong legs. Their wings are not strong enough for flying.

Peacock, known as "Mayur" in Sanskrit and Hindi and also known as "Mor", finds description in popular art forms, songs, drama, dance, murals, sculptures and other forms of folk and traditional art. Lord Krishna is known to have an affinity for peacock feather as he used it to adorn his head. Peacock is also shown as the "Vahana" or vehicle of Lord Murugan or Kartikeya, Lord Siva's son. A dancing peacock is often associated with onset of monsoon and has been so depicted in miniature paintings and other music and art forms. The rich colors and beauteous form of the bird is a popular decorative motif in jewellery and costume making as well.

The Raggiana Bird of Paradise: The Raggiana bird of paradise, (Paradisaea raggiana) is a large bird in the bird-of-paradise family Paradisaeidae.

The Raggiana bird of paradise is known as the Kumul and in 1971 Raggiana bird of paradise was made the national emblem of Papua New Guinea, included on the national flag and is the name of Papua New Guinea's national rugby league team, the Kumuls.

Raggiana bird of paradise is 34 cm long, maroon-brown with a greyish-blue bill, yellow iris and greyish-brown feet. The male has a yellow crown, dark emerald-green throat and yellow collar between the throat and its blackish upper breast feathers. It is adorned with a pair of long black tail wires and large flank plumes. The female is a maroonish-brown bird with no long tail feathers. The ornamental flank plumes vary from red to orange in color, depending on subspecies.

Its diet consists mainly of fruits and arthropods. The species is an important seed disperser of some fruiting trees in New Guinea, and is for some species of mahogany and nutmeg the main fruit disperser.

The breeding system of the Raggiana bird-of-paradise is polygamy. Males congregate in leks (display arenas for visiting females). Leks can be 30–100 meters in diameter. The nest is a bowl-shaped structure composed of leaves and leaf pieces, stems, ferns and other plant fibres. It is lined with horsehair-like material and is situated 2–11 m above the ground on tree branches.

Department of Posts is pleased to release a set of two Commemorative Postage Stamps on theme of National Birds of India and Papua New Guinea featuring 'Peacock' of India and 'Raggiana bird-of-paradise' of Papua New Guinea.

Credits:-

Text	:	Based on the material available on internet
Stamp /Miniature Sheet/ First Day Cover/Brochure/ Cancellation Cachet	:	Smt. Alka Sharma

भारतीय डाक विभाग
DEPARTMENT OF POSTS
INDIA

भारत–पपुआ न्यू गिनी: संयुक्त डाक टिकट
INDIA - PAPUA NEW GUINEA : JOINT ISSUE

विवरणिका
BROCHURE

भारत-पपुआ न्यू गिनी: संयुक्त डाक टिकट

भारत और पपुआ न्यू गिनी के राजनयिक संबंधों की नींव उस समय पड़ी, जब 1996 में पोर्ट मोर्सबी में भारतीय मिशन की स्थापना हुई। इसके बाद 2006 में पपुआ न्यू गिनी ने भारत (नई दिल्ली) में अपने स्थानीय मिशन की स्थापना की। भारत और पपुआ न्यू गिनी राष्ट्रमंडल परिवार के सदस्य हैं और दोनों ही देशों के बीच सौहार्दपूर्ण तथा दोस्ताना संबंध रहे हैं।

भारत और पपुआ न्यू गिनी विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय मंचों के माध्यम से एक-दूसरे से संवाद करते रहते हैं। इससे दोनों ही देशों को समान सरोकारों से जुड़े विविध विषयों पर विचारों के आदान-प्रदान का अवसर प्राप्त होता रहा है। आपसी सहयोग के इस दायरे में आर्थिक के साथ-साथ औद्योगिक एवं वाणिज्यिक, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा शिक्षा एवं सांस्कृतिक जगत के विभिन्न पहलू शामिल हैं। भारत और पपुआ न्यू गिनी के बीच द्विपक्षीय संबंधों के महत्व को रेखांकित करते हुए दोनों देशों के डाक प्रशासनों ने साझा रूप से संयुक्त डाक-टिकट जारी करने का निर्णय लिया है।

इस संयुक्त डाक-टिकट पर दोनों देशों के राष्ट्रीय पक्षियों का अंकन है। (भारत की ओर से मयूर अर्थात् मोर का अंकन किया गया है, जबकि पपुआ न्यू गिनी की तरफ से रेगियाना बर्ड ऑफ पैराडाइज़ का अंकन हुआ है।)

मोर: मोर अर्थात् पावो क्रिस्टेटस (लिनेयस), भारत का राष्ट्रीय पक्षी है। यह पक्षी गरिमा, आनंद, सौंदर्य और प्रेमभाव का प्रतीक है। मोर, विशाल आकार का और राजसी अंदाज वाला पक्षी है। यह अत्यंत रंग-बिरंगा होता है। इसका आकार राज हंस के समान तथा सिर पर पंखे के आकार की पंखों वाली कलगी होती है और आंखों के ठीक नीचे सफेद धब्बा होता है। इसकी गर्दन लंबी और सुराहीदार होती है।

नर मोर, अपनी मादा प्रजाति की तुलना में अधिक चटक रंगों से सजा होता है। इसका सीना और इसकी गर्दन नीले रंग की अलग ही छटा लिए होते हैं और इसकी शानदार सुनहरी हरी पूंछ लगभग 200 लंबे और खूबसूरत पंखों से सजी होती है। मादा मोर को पी-हेन भी कहा जाता है। इसके शरीर पर भूरे रंग की छटा होती है। आकार में यह नर मोर की तुलना में थोड़ी छोटी होती है और इसकी पूंछ नहीं होती। मादा मोर किसी पेड़ की कोटर में या झाड़ियों में एक बार में तीन से पांच अंडे देती है। ये कभी-कभार अंडे देने के लिए अपने पैरों से मिट्टी में छोटे गड्ढे भी खोदती हैं। भारतीय संस्कृति में मोर को अत्यंत सम्मानजनक स्थान प्राप्त है। इसे भारतीय वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 के अंतर्गत संरक्षित प्रजातियों में शामिल किया गया है।

मोर दम-खम वाला पक्षी है। इसमें जलवायु की विषम परिस्थितियों के मुताबिक खुद को ढालने की अद्भुत क्षमता है। इसी कारण यह पक्षी, एक ओर जहां राजस्थान के गर्म और सूखे रेगिस्तानी क्षेत्रों में आसानी से रह सकता है, वहीं यूरोप और अमेरिका के ठंडे वातावरण में भी इसे जीवन जीने का फन बखूबी मालूम है। सामान्य रूप से मोर, झाड़ियों के बीच या जंगलों में ऐसे स्थानों पर रहते हैं, जहां पानी का कोई स्थायी स्रोत मौजूद हो। मोर अधिक उड़ नहीं सकते, परंतु अपने मजबूत पैरों के बल पर काफी तेज दौड़ सकते हैं। इनके पंख इतने मजबूत नहीं होते कि ये लंबी उड़ान भर सकें।

मोर को संस्कृत में 'मयूर' कहा जाता है। मोर का उल्लेख लोकप्रिय कला शैलियों, गीतों, नाटिकाओं, नृत्य शैलियों, म्यूरलों और मूर्तिकला तथा लोक और पारंपरिक कला की अन्य शैलियों में खूब मिलता है। कहा जाता है कि भगवान कृष्ण को मोरपंख से विशेष लगाव था और वे बड़े शौक से इसे अपने माथे पर सजाते थे। मयूर को भगवान शिव के पुत्र भगवान मुरुगन अर्थात् कार्तिकेय के वाहन के रूप में भी दर्शाया जाता है। नाचते मोर को प्रायः मानसून के आगमन का सूचक माना गया है और मिनिएचर चित्रकला तथा संगीत और अन्य कला शैलियों में इसे इस रूप में खूब अंकित किया गया है। मोर के चटक खूबसूरत रंगों और इसके मोहक रूप को आभूषणों के डिजाइन तथा पोशाकों में भी सजावटी प्रतिरूप अर्थात मोटिफ के रूप में व्यापक रूप से अंकित किया गया है।

रेगियाना बर्ड ऑफ पैराडाइज: रेगियाना बर्ड ऑफ पैराडाइज (पैराडीसे रेगियान), पैराडीसेडी नामक बर्ड-ऑफ-पैराडाइज परिवार का विशाल पक्षी है।

रेगियाना बर्ड ऑफ पैराडाइज को कुमुल के नाम से भी जाना जाता है। 1971 में इस पक्षी को पपुआ न्यू गिनी का राष्ट्रीय चिन्ह घोषित किया गया और इसे पपुआ न्यू गिनी के राष्ट्रीय ध्वज पर भी अंकित किया गया। इसी पक्षी के नाम पर पपुआ न्यू गिनी की राष्ट्रीय रग्बी लीग टीम, कुमुल्स, का भी नामकरण हुआ है।

रेगियाना बर्ड ऑफ पैराडाइज लगभग 34 से.मी. लंबा होता है और इसका रंग सिंदूरी भूरा होता है। इसकी चोंच धूसर छटा लिए नीले रंग की, पुतलियां पीले रंग की तथा पैर धूसर छटा लिए भूरे रंग के होते हैं। नर रेगियाना का माथा चटक पीला और गला चमकदार हरा होता है। इसकी गर्दन और काले पंखों से सजे सीने के बीच का कंधेनुमा भाग पीले रंग का होता है। इसकी पूंछ दो लंबी धारियों में निकलती है और काले रंग की होती है। इसके पंख बड़े और बेहद खूबसूरत होते हैं। मादा रेगियाना सिंदूरी छटा लिए भूरे रंग की होती है और इसकी पूंछ के पर लंबे नहीं होते। इसके सजावटी पंखों का रंग, उप-प्रजाति के अनुसार, लाल से लेकर नारंगी हो सकता है।

रेगियाना के आहार में मुख्यतः अलग-अलग किस्म के फल तथा छोटे कीड़े-मकोड़े शामिल होते हैं। यह प्रजाति, न्यू गिनी में कुछेक फलदार वृक्षों के बीजों को दूर-दूर तक फैलाने का महत्वपूर्ण माध्यम है। इसी प्रकार, महोगनी की कुछ प्रजातियों और नटमेग के लिए रेगियाना पक्षी बीज प्रकीर्णन का प्रमुख जरिया है।

प्रजनन प्रणाली के दृष्टिकोण से रेगियाना बर्ड ऑफ पैराडाइज बहुसंगमनी स्वभाव के होते हैं, अर्थात् इनके एकाधिक संगी होते हैं। नर रेगियाना पक्षी लेक क्षेत्रों में जुटते हैं, जहां मादा रेगियाना पक्षी आती हैं। लेक 30 से 100 मीटर व्यास के हो सकते हैं। इन पक्षियों का घोंसला कटोरे के आकार का होता है और पत्ते तथा पत्तियों के टुकड़ों, छोटे-बड़े तिनकों और पौधों के अन्य रेशों से बना होता है। इन घोसलों में बारीक रेशों की एक परत होती है और ये जमीन से लगभग 2-11 मीटर की ऊंचाई पर पेड़ों की शाखों पर बनाए जाते हैं।

डाक विभाग, भारत तथा पपुआ न्यू गिनी के राष्ट्रीय पक्षियों पर आधारित विषय पर, दो स्मारक डाक-टिकटों का सेट जारी करते हुए प्रसन्नता का अनुभव करता है। इन डाक-टिकटों पर भारत के राष्ट्रीय पक्षी के रूप में मोर तथा पपुआ न्यू गिनी के राष्ट्रीय पक्षी के रूप में रेगियाना बर्ड ऑफ पैराडाइज का अंकन है।

आभार:-

मूलपाठ	:	इंटरनेट पर उपलब्ध सामग्री पर आधारित
डाक टिकट/प्रथम दिवस आवरण/ मिनियेचर शीट/विवरणिका/विरूपण	:	श्रीमती अलका शर्मा

भारतीय डाक
India Post

तकनीकी आंकड़े
TECHNICAL DATA

मूल्यवर्ग	:	2500 पैसा, 500 पैसा
Denomination	:	2500 p, 500 p
मुद्रित डाक टिकटें	:	2.1 लाख प्रत्येक
Stamps Printed	:	2.1 Lakh each
मुद्रित मिनियेचर शीट	:	1.1 लाख
Miniature Sheet Printed	:	1.1 Lakh
मुद्रण प्रक्रिया	:	वेट ऑफसेट
Printing Process	:	Wet Offset
मुद्रक	:	प्रतिभूति मुद्रणालय, हैदराबाद
Printer	:	Security Printing Press, Hyderabad

The above philatelic items are available for sale at http://www.epostoffice.gov.in/PHILATELY_3D.html

© डाक विभाग, भारत सरकार। डाक-टिकट, प्रथम दिवस आवरण तथा सूचना विवरणिका के संबंध में सर्वाधिकार विभाग के पास है।

© Department of Posts, Government of India. All rights with respect to the stamp, first day cover and information brochure rest with the Department.

मूल्य ₹ 5.00